ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 84

जनवरी-मार्च, 2018

Scanned by TapScanner

नाट्यम् 84

जनवरी-मार्च, 2018

Scanned by TapScanner

ISSN : 2229-5550
UGC Approved Journal Sr. No. 41002

नाट्यम् 84

जनवरी-मार्च, 2018

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोधपत्रिका

संस्थापक एवं प्रधान संपादक
राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक
आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

प्रबन्ध संपादक
सञ्जय कुमार

संपादक मण्डल
नौनिहाल गौतम
रामहेत गौतम
शशिकुमार सिंह
किरण आर्या

प्रकाशक
नाट्य परिषद्, संस्कृत विभाग
डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Scanned by TapScanner

नाट्यम्
रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,
अंक : 84 जनवरी-मार्च, 2018
ISSN : 2229-5550
UGC Approved Journal Sr. No. 41002
नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. 100066)
संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) 07582-264366 पिन-470 003

Natyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics
published by Natya Parisad. Deptt. of Sanskrit,
Doctor Harisingh Gour University, Sagar,
Madhya Pradesh-Pin-470 003. India.
Phone-Fax (off.) : 07582-264366

सदस्यता शुल्क :
प्रत्येक अंक - 25/- रु., वार्षिक - 100/- रु.
आजीवन (प्रति व्यक्ति) - 1000/- रु.
आजीवन (प्रति संस्था) - 5000/- रु.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है
जो नाट्य परिषद्, सागर के नाम देय होगा।

पत्रव्यवहार :
प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) 470003
e-mail : sanskritsagar1946@gmail.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

मुद्रण : अजय जैन, **अमन प्रकाशन** नमक मंडी,
कटरा, सागर (म.प्र.) मो. 9826434225

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री की किसी भी रूप में प्रस्तुति के लिए *नाट्य परिषद्* से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से *नाट्य परिषद्*, संपादक या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सूचना - आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय 250 रु. (दो सौ पचास रूपये मात्र) पर नाट्यम् के उपलब्ध पुराने अंक भी निःशुल्क देय हैं।

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

1. **विक्रमचरित उर्फ शूकर कथा** 9
   मूलकृति - आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी
   नाट्य-रूपान्तर - डॉ. कमल वांसिष्ठ
2. **मुद्राराक्षस की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा** 64
   शुकदेव भोइ
3. **कूटनीति के निकष पर मुद्राराक्षस** 70
   सज्जय कुमार
4. **शान्तरस एवं अभिज्ञानशाकुन्तलम्** 81
   योगेश शर्मा
5. **अभिज्ञानशाकुन्तलम् में शकुन्तला** 93
   उमेश प्रसाद सिंह
6. **रत्नावली नाटिका का ययातिचरित नाटक पर प्रभाव** 100
   वत्सला
7. **मृच्छकटिक प्रकरण में वर्णित सामाजिक मूल्य** 106
   पूनम यादव

Scanned by TapScanner